अवधि : 1 घंटा
अंक : २०

उत्तर मध्यकालीन काव्य (प्रथम प्रश्न-पत्र)

(द्वितीय सेमेस्टर)

निर्देश : सभी खण्डों को निर्देशानुसार हल कीजिए [7]

[खण्ड - क]

नोट : निम्नलिखित में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

" मोरचन्द्रिका स्यामासिर चढ़ि कत करति गुमान।
लखिबी पायन पै लुठत सुनियत राधा मान॥
सोहत ओढ़े पीतपट, स्याम सलोने गात।
मनो नीलमणि सैल पर, आतप पर्‌यौ प्रभात॥"

(अथवा)

" लाजनि लपेटी चितवनि भेद-भाय-भरी
लसति ललित लोल चख तिरछानि मैं।
छवि को सदन गोरो भाल बदन, रुचिर,
रस निचुरत मीठी मृदु मुसक्यानि मैं।
दसन-दमक फैलि हियें मोती-माल होति,
पिय सों तड़कि प्रेम-पगी बतरानि मैं।
आनँद की निधि जगमगति छबीली चाल,
अंगनि अनंग-रंग ढुरि मुरि जानि मैं॥" [8]

[खण्ड - ख]

नोट : निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

'सतसई' के आधार पर बिहारी की प्रेम-सौन्दर्य भावना को प्रमाण सहित प्रस्तुत कीजिए तथा उसके गुण-दोषों का निरूपण कीजिए।

(अथवा)

' घनानन्द काव्य में रीतिकालीन रीतिमुक्त कवियों की प्रायः सभी विशेषताएँ सर्वोत्तम रूप में मिलती है।" सिद्ध कीजिए।

REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

क) 'बिहारी सतसई' में कितने दोहा / सोरठा हैं ?

ख) 'बिहारी सतसई' पर किसका - किसका प्रभाव है ?

ग) बिहारी किस राजा के दरबारी कवि थे ?

घ) घनानन्द की चार रचनाओं के नाम बताओ।

ङ) घनानन्द को स्वच्छन्दतावादी कवि क्यों कहा जाता है ?

— o —